सांसे हो रही हैं कम, आओ पेड़ लगायें हम

शाश्वत कृषि और वानिकी तंत्र अपनाए।
बेहतर तथा समृद्ध भविष्य पाए।

अनोखी विपणन प्रणाली: कंपनी की हरितगृहों से पौधे सीधे आपके खेत पर पहुँचाए जाते है।
कोई अतिरिक्त परिवहल शुल्क नहीं लिया जाता ।

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

www.kaushalkisangroup.com

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

अंजीर क्या है? – What are Figs in Hindi

अंग्रेजी में इसे फिग कहा जाता है, जबकि इसका वैज्ञानिक नाम फिकस कैरिका (Ficus carica) है। वैज्ञानिक तौर पर माना जाता है कि यह पेड़ फिकस प्रजाति से संबंधित है और शहतूत परिवार का सदस्य है। इसके फल का रंग हल्का पीला होता है, जबकि पकने के बाद गहरा सुनहरा या बैंगनी हो सकता है।

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

अंजीर के पेड़ की छाल चिकनी और सफेद रंग की होती है। इसका पेड़ मुख्य रूप से सूखे और धूप वाली जगह पर तेजी से उगता है और जड़ बेहद गहरी होती हैं। साथ ही यह पहाड़ी क्षेत्र में भी आसानी से पनप सकता है। इसके पेड़ की ऊंचाई 7-10 मीटर तक हो सकती है। ऐसा माना जाता है कि अंजीर के एक पेड़ की उम्र करीब 100 वर्ष होती है। हिमालय और शिवालिक एरिया में यह बहुतायत पाए जाते हैं। ईरान, भारत और मध्य-पूर्व के देशों में रहने वाले इसका सेवन अधिक मात्रा में करते हैं।

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

अंजीर की खेती

अंजीर उपोष्ण क्षेत्रों में पाया जाने वाला महत्त्वपूर्ण फल है| कोहरे को सहन करने में इसकी विशेष क्षमता होती है| अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में इसके ताजे अर्द्ध-सूखे, सूखे फलों एवं विधायन द्वारा तैयार पदार्थों की बढ़ती मांग को देखते हुये इसके व्यवसायिक उत्पादन की अपार सम्भावनाएं हैं| अंजीर एक लोकप्रिय फल है, जो ताजा और सूखा खाया जाता है| भारत में इसकी खेती राजस्थान, हरियाणा, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात तथा उत्तर प्रदेश के कुछ भागों में की जाती है|

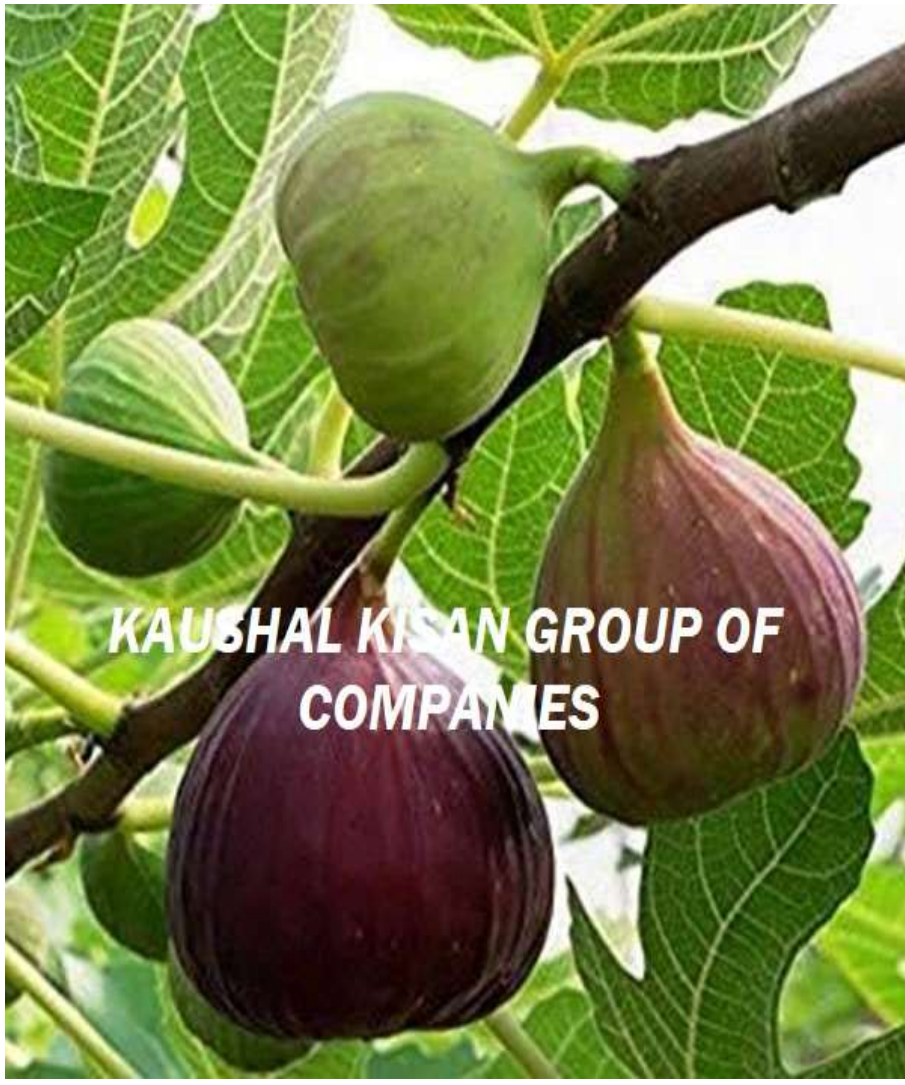

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

राजस्थान की जलवायु, मिट्टी और पानी को अंजीर की खेती के लिए अनुकूल पाया गया है। ये पौधा 45 डिग्री तापमान तक गर्मी सहन कर सकता है , अंजीर का 6 महीने का पौधा फल देने लगता है, इस पौधे की उम्र 50 साल होती है। एक एकड़ में 700 पौधे लगाए जा सकते हैं। अंजीर का हर पौधा 25 किलो फल देता है,उम्र बढ़ने के साथ ही फल का उत्पादन भी बढ़ता है।

अंजीर बाजार में 400 से 1000 रुपए प्रति किलो तक बिकता है। अंजीर विटामिन का अच्छा सोत्र है। इस फस में भरपूर ऊर्जा होती है। सूखे रूप में यह दवा'इयों के काम आता है। खून बढ़ाने के लिए अंजीर का उपयोग किया जाता है, सभी किसानों को ऐसी फसलों को अपनाना चाहिए जो अच्छा मुनाफा देती हैं।

www.kaushalkisangroup.com

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

उपयुक्त जलवायु

अंजीर की खेती भिन्न-भिन्न प्रकार की जलवायु में की जा सकती है, लेकिन अंजीर का पौधा गर्म, सूखी और छाया रहित उपोष्ण व गर्म-शीतोष्ण परिस्थितियों में अच्छी तरह फलता-फूलता है| फल के विकास तथा परिपक्वता के समय वायुमंडल का शुष्क रहना अत्यंत आवश्यक है| पर्णपाती वृक्ष होने के कारण पाले का प्रभाव इस पर कम पड़ता है|

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

भूमि या मृदा

अंजीर को सभी प्रकार की मिट्टी में उगाया जा सकता है, परंतु दोमट अथवा मटियार दोमट, जिसमें उत्तम जल निकास हो, इसके लिए सबसे श्रेष्ठ मिट्टी है|

www.kaushalkisangroup.com

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

अंजीर के प्रकार – Types of Figs

अंजीर की दुनिया भर में कई प्रजाति पाई जाती है और लगभग 700 अलग-अलग नामों से जाना जाता हैं। हर प्रकार का अपना अलग स्वाद व मिठास है। अंजीर खाने के लाभ लगभग एक जैसे हो सकते हैं। अंजीर के सबसे ज्यादा प्रचलित प्रकार इस तरह हैं।

ब्लैक मिशन (Black Mission): बाहर से इसका रंग काला या हल्का बैंगनी होता है, जबकि अंदर से गुलाबी होता है। यह अंजीर न सिर्फ खाने में मीठा होता है, बल्कि इसमें रस भी होता है। इसे केक या खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

कडोटा (Kadota) : यह अंजीर हरे रंग का होता है और इसमें बैंगनी रंग का गूदा होता है। यह अंजीर के सभी किस्मों में सबसे कम मीठा होता है। इसे कच्चा खाया जा सकता है, लेकिन इसे गर्म करके और ऊपर हल्का नमक डालकर भी खाया जा सकता है।

कैलीमिरना (Calimyrna) : यह बाहर से हरे-पीले रंग का होता है। इसका आकार अन्य किस्मों के मुकाबले सबसे बड़ा होता है और इसका स्वाद भी सबसे अलग होता है।

ब्राउन तुर्की (Brown Turkey) : इस अंजीर का बाहरी रंग बैंगनी और गूदा लाल होता है। इसका स्वाद हल्का और कम मीठा होता है। इसका प्रयोग सलाद का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है।

एड्रियाटिक (Adriatic) : इसकी बाहरी परत हल्की हरी और अंदर से गुलाबी होती है। इसका रंग हल्का होने के कारण इसे सफेद अंजीर भी कहा जाता है। यह सबसे मीठा होती है और इसे फल के तौर पर खाया जा सकता है।

Poona -bell-shaped, of medium size, weighing about 1 1/2 oz (42 g); thin-skinned; light-purple with red flesh, of sweet, good flavor.

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

पौधा रोपण

खेत की तैयारी करते समय खोदे गये गड्ढों में संतुलित खाद और उर्वरक डाल कर पौधा रोपण करें| पौधों की दुरी 4 x 4 मीटर उपयुक्त रहती है,

खाद और उर्वरक

अंजीर के छोटे पौधों 1 से 3 वर्ष में 7 से 10 किलो गोबर की खाद और 3 वर्ष की आयु से बड़े पौधों में 15 से 25 किलोग्राम गोबर की खाद प्रति पौधा, प्रतिवर्ष डालनी चाहिए| उर्वरक का प्रयोग मिट्टी की आवश्यकता के अनुसार करें वैसे अंजीर की फसल बिना उर्वरक के प्रयोग के बाद भी अच्छी पैदावार देती है|

www.kaushalkisangroup.com

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

सिधाई व काट-छांट

अंजीर के पौधों की सिधाई इस प्रकार होनी चाहिए कि हर दिशा में इसका फैलाव बराबर हो और पौधे के हर हिस्से तक सूर्य का प्रकाश पहुँच सके| इसमें फल एक से दो साल पुरानी टहनियों पर निकलने वाली नई शाखाओं पर लगता है| अतः शुरू के वर्षों में इस प्रकार की टहनियों को बढ़ावा देना चाहिए| पुराने पेड़ों में भारी काट-छांट लाभप्रद होती है| रोग ग्रस्त और सुखी शाखाओं की फल तुड़ाई के बाद काट-छांट करते रहना चाहिए|

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

कीट और रोग रोकथाम

अंजीर में यु तो कोई मुख्य कीट या बीमारी नहीं देखी गई है, परन्तु कुछ एक परिस्थितियों में पत्ते और छाल खाने वाले कीड़े का प्रकोप देखा गया है| इसके नियंत्रण के लिए 3 मिलीलीटर एंडोसल्फान या क्लोरोफायरीफोस प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना लाभप्रद रहता है|

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

फलों की तुड़ाई

उपोष्ण क्षेत्रों में बसन्त ऋतु में आने वाले फल मई से लेकर अगस्त तक पककर तैयार होते हैं| जब फल पूर्ण रूप से परिपक्व हो जाये तब ही इनकी तुड़ाई करनी चाहिए| तोड़ने के बाद एक पात्र में 400 से 500 ग्राम से ज्यादा फल नहीं रखने चाहिए| यदि ज्यादा मात्रा में फलों का तुड़ान करना हो तो इन्हें पानी भरे बर्तन में एकत्रित करना चाहिए|

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

कमाई

अंजीर के एक पेड़ से करीब 10 किलो तक अंजीर का उत्पादन हो सकता है। अंजीर बाजार में भी 400 से 800 रुपए प्रति किलो की दर से बिकता है। इस पौधे की अायु 50-60 साल होती है। उम्र बढ़ने के साथ ही फल का उत्पादन भी बढ़ता है। अच्छी उपज देने के साथ ही अंजीर के पौधे का उपयोग खेतों की सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है।

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

कौशल किसान ग्रुप ऑफ़ कम्पनी द्वारा किसानों को मुफ्त में दी जाने वाली सेवाएं :-

- पौधों को किसानो के घर या खेत तक पहुंचाने के लिए मुफ्त वाहन सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है।

- क्षतिग्रस्त पौधों की प्रतिस्थापना। यह सुबिधा सिर्फ एक बार के प्रतिस्थापन के लिए होती है ।

- २ साल तक कंपनी के कर्मचारियों द्वारा समय समय पर देखभाल की सुविधा दी जाती है।

- किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए हमारे प्रतिनिधियों से मुफ्त तकनिकी सेवा फ़ोन द्वारा या ब्यक्तिगत रूप में ले सकते हैं

- किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए कम्पनी का टोल फ्री नंबर उपलब्ध है -18001236246

www.kaushalkisangroup.com

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

Corp. Office : H.No. 265, Opp.Tejaji Ka Mandir,
Khedli Phatak, Kota Raj. - 324001 | Ph.: 0744 2323168

Branch Office : Plot.No. 194, R K Business Centre, Near, Shivaji Nagar, Nagpur, Maharashtra - 440010

Branch Office : Malaviya Chowk, Wing - B, 7th Floor, Ofiice No. 5, Gondal Road, Rajkot (GUG)

Branch Office : Near Agarwal Dharamshala, Sec. 11, Hiran Mangri, Udaipur Rajasthan - 313001

Toll Free No. 18001236246 | **Website : www.kaushalkisan.com | www.navjeevanbio.com**

KAUSHAL KISAN
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)